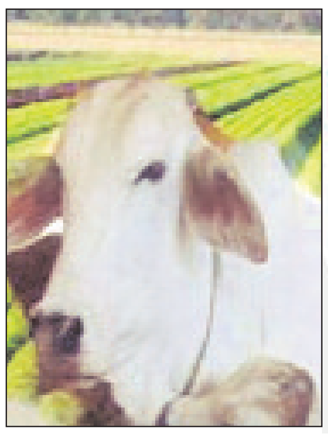

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती पेज: 7

जल्द ही बड़े पर्दे पर डांस का जलवा दिखाएंगे अहान पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 58 | शनिवार 30 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश, 3 महीने की डेडलाइन में देशभर में लागू हो '112 आपातकालीन हेल्पलाइन'

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अगले तीन महीनों के भीतर एक ही आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर, 112, को पूरी तरह से चालू करने का निर्देश दिया है। वर्तमान में, भारत भर में लोग पुलिस के लिए 100, अग्निशमन सेवाओं के लिए 101, एम्बुलेंस के लिए 102 और 108, राजमार्गों के लिए 1033 और महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1091 जैसे विभिन्न आपातकालीन नंबरों का उपयोग करते हैं। लेकिन दुर्घटनाओं या चिकित्सा आपात स्थितियों के दौरान, इससे अक्सर भ्रम की स्थिति पैदा होती है और समय पर सहायता प्राप्त करने में देरी होती है। सुप्रीम कोर्ट ने अब आदेश दिया है कि इन सभी हेल्पलाइन नंबरों को एक एकीकृत नंबर, 112 में मिला दिया जाए।

बोरिया बिस्तर लेकर भाग रहे घुसपैठिये बता रहे टीएमसी का सच ! कई लोगों के पास मिले वोटर, पैन और आधार कार्ड

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हाकिमपुर सीमा क्षेत्र से सामने आई तस्वीरें उस गंभीर समस्या का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं जिस पर वर्षों से बहस होती रही है। सीमा के निकट सैकड़ों बांग्लादेशी नागरिक अपने सामान और परिवार के साथ वापस लौटने के लिए एकत्रित हो रहे हैं। प्रशासन द्वारा की जा रही पहचान जांच, पंजीकरण और निरोध केंद्रों की व्यवस्था ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अब कठोर कार्रवाई का दौर शुरू हो चुका है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार सैकड़ों बांग्लादेशी नागरिकों का विवरण तैयार किया जा चुका है। इनमें से अनेक लोगों ने स्वयं स्वीकार किया कि वह वर्षों पहले दलालों और बिचौलियों की मदद से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। कोई

रोजगार की तलाश में आया, कोई बचपन में परिवार के साथ सीमा पार कर लाया गया। कई लोगों ने यह भी माना कि हाल के महीनों में दस्तावेजों की जांच, पुलिस की सक्रियता और कानूनी कार्रवाई के भय ने उन्हें वापस लौटने के लिए मजबूर कर दिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अनेक लोगों के पास आधार, राशन कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज भी पाये जा रहे हैं। कुछ ने तो वर्षों तक चुनाव में मतदान करने की बात भी कही है। यह स्थिति उन गंभीर सवालों को जन्म देती है जिनका उत्तर प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवस्था को देना होगा। यदि अवैध रूप से आए लोग वर्षों तक विभिन्न दस्तावेज प्राप्त करते रहे, तो यह व्यवस्था की खामियों का भी विषय है। लौट रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों ने खुले तौर पर यह भी बताया कि किस प्रकार दलालों के संगठित गिरोह रात के अंधेरे में सीमा सुरक्षा बल की गश्त पर नजर रखते थे और

इनमें से अनेक लोगों ने स्वयं स्वीकार किया.........

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार सैकड़ों बांग्लादेशी नागरिकों का विवरण तैयार किया जा चुका है। इनमें से अनेक लोगों ने स्वयं स्वीकार किया कि वह वर्षों पहले दलालों और बिचौलियों की मदद से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे।

जैसे ही निगरानी में थोड़ी सी ढील दिखाई देती थी, घुसपैठियों को भारत में दाखिल करा दिया जाता था। कुछ लोगों ने तो यहां तक दावा किया कि महज दस मिनट के भीतर सीमा पार कराई जा सकती थी। इन बयानों से स्पष्ट है कि अवैध घुसपैठ कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित और संगठित तंत्र सक्रिय था, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती खड़ी की। देखा जाये तो मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने जिस स्पष्टता के साथ अपनी नीति रखी है, वह हर बंगालवासी को भा रही है इसलिए लोग सरकार की काफी सराहना कर रहे हैं। राज्य सरकार ने सभी जिलों में डिटेंशन सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है। साथ ही सीमा सुरक्षा बल के लिए भूमि उपलब्ध कराने और सीमा पर बाड़ लगाने की गति भी तेज कर दी गयी है। शुभेन्दु सरकार का संदेश साफ है कि जो लोग कानूनी रूप से भारत में रहने के पात्र नहीं हैं, उनकी पहचान होगी, उनके नाम हटाए जाएंगे और उन्हें वापस भेजा जाएगा। साथ ही सीमा क्षेत्र से आई एक और महत्वपूर्ण खबर ने जनता की भावना को स्पष्ट कर दिया है। कूचबिहार जिले के सतग्राम मानवारी क्षेत्र के निवासियों ने स्वेच्छा से अपनी तैंतीस डेसिमल भूमि सीमा सुरक्षा बल को सौंप दी है ताकि भारत बांग्लादेश सीमा पर बाड़ का कार्य पूरा हो सके। ग्रामीणों ने साफ कहा कि अवैध घुसपैठ, तस्करी और खेती को होने वाले नुकसान से वे लंबे समय से परेशान थे। यह कदम बताता है कि सीमा सुरक्षा केवल सरकारी एजेंसियों का विषय नहीं बल्कि आम नागरिकों की भी प्राथमिकता बन चुकी है। देखा जाये तो जो लोग अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की सोच रहे हैं

'यज्ञ रोका तो रावण-कंस जैसा हश्र तय', मऊ में बोले सीएम योगी, यूपी में बेटियां-व्यापारी अब सुरक्षित

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए पिछली सरकार पर माफिया तत्वों को संरक्षण देने, कल्याणकारी योजनाओं को रोकने और राज्य भर में अराजकता को पनपने देने का आरोप लगाया। मऊ के मधुबन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य के सुरक्षा माहौल में सुधार किया है और यह सुनिश्चित किया है कि जन कल्याणकारी योजनाएं गरीबों तक पहुंचें। योगी ने कहा कि पिछली सरकार माफिया के आगे झुक गई थी। चारों ओर अराजकता और अव्यवस्था फैली हुई थी। अब मैं कह सकता हूँ कि आज किसी भी माफिया या गुंडे में किसी भी त्योहार

के दौरान गड़बड़ी पैदा करने की हिम्मत नहीं है। अगर कोई भी धार्मिक आयोजन में बाधा डालता है, तो त्योहार तो मनाया जाएगा, लेकिन उसका अंजाम रावण और कंस की तरह ही तय होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं, गुंडे उन्हें परेशान करते थे। अपहरण कभी भी हो सकते थे। व्यापारियों को सूर्यास्त से पहले दुकानें बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ता था। अगर परिवार का कोई सदस्य सूर्यास्त के बाद घर नहीं पहुंचता था, तो परिवार को चिंता सताने लगती थी कि कहीं उनका क्या न हो जाए। योगी ने कहा कि उस दंगे जैसे माहौल में, अराजकता से भरे वातावरण में, यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। राज्य में नौकरियां नहीं थीं। लेकिन जब वे राज्य से बाहर जाते थे, तो उत्तर प्रदेश का नाम सुनते ही लोग दस कदम पीछे हट जाते थे। योगी ने कहा- पहले गरीबों के लिए कोई सुविधा नहीं थी। आपने 2014 में देश की बागडोर नरेंद्र मोदी को सौंपी। पिछले 12 वर्षों में आपने भारत को बदलते देखा है। मोदी जी कहते हैं कि हमारे लिए केवल चार जातियाँ हैं। उन्होंने कहा कि एक जाति गरीबों की, एक युवाओं की, एक महिलाओं की और एक किसान की जो हमें भोजन देता है। अगर आपको याद हो, तो इन चारों में सभी शामिल हैं। अगर इन चारों का उत्थान हो जाए, तो देश चलने लगेगा। मोदी जी दिल्ली में योजनाएँ बनाते थे, लेकिन 2014 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार ने उन्हें राज्य में लागू नहीं होने दिया।

उनके 17 बजट प्रभावशाली रहे: जयराम रमेश ने सिद्धारमैया की विरासत को सराहा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राज्य के राजनीतिक इतिहास के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बताते हुए उनकी प्रशासनिक कुशलता, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और चार दशकों के राजनीतिक जीवन में नेतृत्व परिवर्तन को गरिमापूर्ण ढंग से संभालने की प्रशंसा की। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि सिद्धारमैया का चार दशक लंबा राजनीतिक करियर और 17 राज्य बजट पेश करना कर्नाटक के शासन में उनके कद और योगदान को दशार्ता है। कांग्रेस महासचिव ने अपने पूरे राजनीतिक करियर में सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और

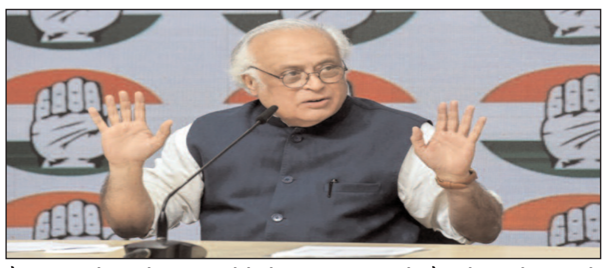

वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सिद्धारमैया की प्रशंसा की। सिद्धारमैया राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री भी हैं, जिनका करियर 2013-2018 और 2023-2026 के दो अलग-अलग कार्यकालों में 8 वर्षों से अधिक का रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि सिद्धारमैया चार दशकों से अधिक समय से कर्नाटक की राजनीति में एक बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं, जो अपने आप में एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। रमेश ने कहा कि उन्होंने राज्य में 17 बजट पेश किए हैं, जो गुजरात में वजुभाई वाला द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से सिर्फ एक कम और पश्चिम बंगाल में डॉ. असीम दासगुप्ता द्वारा हासिल की गई उपलब्धि से एक अधिक है। उनके सभी 17 बजट उल्लेखनीय और प्रभावशाली रहे हैं। बजट बनाने और प्रशासन पर उनकी महारत के अलावा, सिद्धारमैया सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और परंपराओं के अटूट हिमायती और तर्कसंगतता और वैज्ञानिक सोच के सशक्त समर्थक रहे हैं। कर्नाटक में चल रहे नेतृत्व परिवर्तन के बीच, विधान सौधा में कर्मचारियों द्वारा सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार के उपमुख्यमंत्री पद की नेमप्लेटें अलमारी में रखी जाती देखी गईं। इससे पहले, सिद्धारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल, राज्यसभा चुनाव और अन्य संगठनात्मक मामलों पर चर्चा की।

अमित शाह ने भुज में जी-7 चौकी का उद्घाटन कर कहा, हरामी नाला में सुरक्षा अभेद्य

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर स्थित बॉर्डर आउटपोस्ट जी-7 का उद्घाटन किया और संवेदनशील हरामी नाला क्षेत्र में सुरक्षा ग्रिड को प्रमुख तकनीकी चुनौतियों के बावजूद काफी मजबूत बताया। अपनी यात्रा के दौरान, शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की और नीम का पौधा लगाया। उद्घाटन समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा कि जी-7 सुविधा का निर्माण क्षेत्र में सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों के तहत लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। उन्होंने कहा कि यहां से कुछ किलोमीटर दूर, बनासकांठा में, एक केंद्र स्थापित किया गया था ताकि जनता को आप

सभी द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों से अवगत कराया जा सके। इस केंद्र का निर्माण लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था आज जी-7 और जी-13 परियोजनाओं का लोकार्पण हो रहा है। जब मैंने देश के गृह मंत्री के रूप में पदभार संभाला, तो बीएसएफ के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक के दौरान यह पाया गया कि सुरक्षा की दृष्टि से हरामी नाला असुरक्षित प्रतीत होता है। शाह ने तकनीकी और भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद एक मजबूत सुरक्षा नेटवर्क स्थापित करने में सरकार की क्रमिक सफलता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस पूरे क्षेत्र में एक मजबूत सुरक्षा जाल स्थापित करने में धीरे-धीरे सफलता प्राप्त की है। मैं उन विशाल तकनीकी चुनौतियों से भलीभांति अवगत हूं जिन्हें वर्तमान में हमारे सामने खड़े टावरों के निर्माण के लिए पार करना पड़ाङ्ग सीमा चौकियों के आसपास के पूरे क्षेत्र को जमीन से लगभग 3.75 मीटर ऊपर उठाया गया है लगातार तीन महीनों तक, मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रतिदिन प्रगति की निगरानी की, यह सुनिश्चित करते हुए

टीएमसी में बड़ी फूट, असम प्रमुख का गंभीर आरोप, पार्टी सिर्फ मुसलमानों के लिए करती है काम

नई दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस टीएमसी के असम प्रमुख अभिजीत मजूमदार ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी असम और पश्चिम बंगाल दोनों में केवल मुस्लिम समुदाय के लिए काम कर रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी में लगातार हो रहे इस्तीफों की कड़ी में उनका इस्तीफा भी जुड़ गया है। मजूमदार ने अपना इस्तीफा पत्र ममता बनर्जी को ईमेल के जरिए भेजा। अपने पत्र में उन्होंने आरोप लगाया कि असम में पार्टी की छवि तेजी से एक ऐसे संगठन की बन गई है जो केवल मुसलमानों के लिए काम करता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भी यही रवैया दिखाई दे रहा है। इन परिस्थितियों में आगे न बढ़ पाने की बात कहते हुए मजूमदार ने कहा कि पार्टी के कामकाज और राजनीतिक दिशा ने उनके लिए इससे जुड़े रहना असंभव बना दिया है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में कई बड़े नेताओं के इस्तीफे और आंतरिक मतभेदों के चलते पार्टी में साफ तौर पर दिख रही अशांति के बीच उनका इस्तीफा आया है। कुछ सप्ताह पहले ही, टीएमसी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन ने भ्रष्टाचार के आरोपों और आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले के निपटारे को कारण बताते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया था।

ममता बनर्जी को लिखे अपने इस्तीफे पत्र में सेन ने कहा कि वे पार्टी का बचाव करने में असमर्थ हैं, क्योंकि उन्होंने इसे "अनैतिक कृत्य" और भ्रष्टाचार से संबंधित विवाद बताया है। उन्होंने आरजी कर बलात्कार-हत्या मामला, अभया मामला और कथित नौकरी के बदले रिश्वत घोटाले जैसे मुद्दों का जिक्र किया।

नीट फ्री बस: केजरीवाल ने दिल्ली सीएम पर कसा तंज, मुफ्त यात्रा पर श्रेय की होड़

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब सरकार के बाद दिल्ली सरकार ने भी नीट 2026 के उम्मीदवारों के लिए मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस टिप्पणी को नीट-यूजी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। एक्स पर केजरीवाल ने लिखा कि पंजाब सरकार के बाद अब दिल्ली सरकार ने भी नीट छात्रों के लिए बसें मुफ्त कर दी हैं। इसी बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नीट उम्मीदवारों के लिए सभी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की। एक्स को मुख्यमंत्री ने लिखा कि 21 जून को नीट (यूजी) 2026 परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के समर्थन में, दिल्ली सरकार वैध एडमिट कार्ड दिखाने पर सभी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा प्रदान करेगी। किसी भी

छात्र को ऐसे दिन असुविधा नहीं होनी चाहिए जो उनके भविष्य के लिए इतना महत्वपूर्ण है। सभी नीट उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प उन्हें सफलता दिलाए। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार नीट परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए बस किराया माफ करेगी, जिससे वे 20, 21 और 22 जून को पंजाब रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। फेसबुक पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री मान ने कहा कि नीट की तैयारी कर रहे कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आते हैं और अक्सर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्रा खर्च जुटाने में भी उन्हें कठिनाई होती है। मुख्यमंत्री मान ने फेसबुक पर लिखा कि कई गरीब छात्र ठएएळ परीक्षा देते हैं। उनके पास परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए किराया भी नहीं होता। जब केजरीवाल ने हाल ही में ठएएळ के छात्रों से बात की, तो उन्होंने मदद की गुहार लगाई। नीट परीक्षा 21 जून को है। इसलिए, पंजाब सरकार ने नीट परीक्षा में बैठने वाले सभी छात्रों के लिए 20, 21 और 22 जून को पंजाब रोडवेज की सभी बसों का किराया माफ करने का फैसला किया है।

सीबीएसई टेंडर पर राहुल गांधी का बड़ा आरोप: कोएम्प्ट को क्यों मिला ठेका? न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार, 29 मई को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग ओएसएम डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली के लिए निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर चिंता जताई। गांधी ने आरोप लगाया कि कोएम्प्ट को ठेका दिलाने के लिए तकनीकी मानदंडों में बार-बार ढील दी गई। एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए उन्होंने दावा किया कि सीबीएसई ने ठेका देने से पहले निविदा की शर्तों में कई बार संशोधन किया और स्कैनिंग रिजॉल्यूशन, रोबोटिक स्कैनर और सॉफ्टवेयर प्रमाणन से संबंधित आवश्यकताओं को कम कर दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीएसई ने ओएसएम के लिए तीन बार निविदाएं आमंत्रित कीं। पहली बार शून्य बोलियां आईं। दूसरी बार कोई योग्य बोलीदाता नहीं मिला। और अंत में, तकनीकी मानकों को तब तक कम किया गया जब तक कोएम्प्ट ने उन्हें पूरा नहीं कर लिया। स्कैनिंग रिजॉल्यूशन घटा दिया गया। रोबोटिक स्कैनर की आवश्यकता समाप्त कर दी गई। सीएमएमआई प्रमाणन को लेवल 5 से घटाकर लेवल 3 कर दिया गया।

उत्तर पुस्तिकाओं में त्रुटियों के लिए दंड हटा दिया गया। गांधी ने आगे कहा कि तीसरे दौर में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के योग्यता मानकों को पूरा करने के बावजूद, अनुबंध कोएम्प्ट को दिया गया, जिसका रिकॉर्ड उनके अनुसार खराब है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों ने सीबीएसई कोएम्प्ट को उचित तैयारी के बिना ओएसएम को राष्ट्रव्यापी स्तर पर लागू करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। गांधी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस भी तीसरे दौर में क्वालीफाई कर गई। टीसीएस हार गई। कोएम्प्ट झ असफलताओं का शानदार इतिहास रखने वाली कंपनी झ जीत गई। और आज सीबीएसई के छात्र किस बात की शिकायत कर रहे हैं? खराब स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं। गायब पन्ने। खराब मूल्यांकन पोर्टल। शिक्षकों ने सीबीएसई को चेतावनी दी थी कि ओएसएम प्रणाली को देशव्यापी कार्यान्वयन से पहले कम से कम एक या दो साल की अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता है, फिर भी इसे जल्दबाजी में लागू कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सबसे सक्षम कंपनी को ठेका निष्पक्ष रूप से दिया गया था और स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि 18 लाख छात्रों का भविष्य खतरे में है। उन्होंने पूछा कि कौन चाहता था कि कोएम्प्ट को ठेका मिले? किसने धीरे-धीरे मानदंड कम किए, ताकि यह कंपनी इसे पास कर सके? प्रधान जी और सीबीएसई कहते हैं कि कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। यह कोई जवाब नहीं है, यह जवाबदेही नहीं है। सवाल यह है कि क्या ठेका ईमानदारी से उस सर्वश्रेष्ठ कंपनी को दिया गया था जो काम को सही ढंग से कर सकती थी।

2024 के आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले और भ्रष्टाचार का हवाला देते हुए, शांतनु सेन ने पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी को संबोधित अपने इस्तीफे में कहा कि वे अब अनैतिक कृत्यों पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में समर्थन देने के लिए तैयार नहीं हैं।

संपादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है।

चिंतन-मनन

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

कमलेश पांडेय

'लचीली भूराजनीति' यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो 'खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम' वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही 'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभः संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। 'मित्र' और 'प्रतिद्वंद्वी' दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरणः अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदाः भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड (Quad) में भी है, ब्रिक्स (BRICS) में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभः एप्पल (Apple), टेस्ला (Tesla), माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहाँ लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि-

पहला, छोटे और कमजोर देशों काः अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फँस जाते हैं।

दूसरा, वैश्विक स्थिरता काः ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि 'तात्कालिक हित' देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं।

भारत के लिए क्या संदेश?

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में 'संतुलनकारी शक्ति' बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी 'खुल जा सिमसिम' कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूँजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

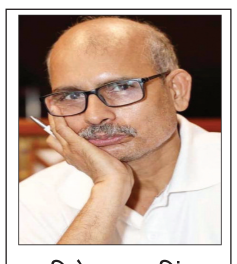

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा...

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार','हिन्दी प्रदीप','कवि वचन सुधा', 'भारत मित्र', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

'सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।'

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।'सबसे पहलेह्न दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है। पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे।' कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए।' निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है।' हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा। 'स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है।'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ₹तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।₹ लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

बकरीद पर चाक-चौबंद रही सफाई / जलापूर्ति व्यवस्था, सी.सी.टीवी कैमरो से हुई सफाई व्यवस्था की निगरानी

अमरोहा (सब का सपना):- नगर मे ईद उल अजहा त्यौहार को लेकर नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा योजनाबद्ध तरीके से की गयी सफाई व्यवस्था से सम्पूर्ण नगर क्षेत्र मे कुबार्नी के अवशेष कही पड़े हुए दिखाई नहीं दिए, पालिका टीम इस व्यवस्था मे निरंतर लगी रही। वहीं दूसरी ओर पालिका के जलकल अनुभाग के कार्मिको ने अपनी ड्यूटी पर निरंतर मुस्तैद रहकर नगर की जलापूर्ति व्यवस्था बेहतर रखी तथा विधुत आपूर्ति बाधित होने पर जेनेरेटर से जल आपूर्ति को सुचारु रखा इस प्रकार ईद उल अजहा पर परंपरागत रूप से तीन दिनों तक चलने वाली कुबार्नी के क्रम मे पहले दिन पालिका बेहतर नगरीय व्यवस्थाओं के साथ पूरी तरह प्रतिबद्ध रही। पालिका उप नगर आयुक्त के निर्देशन एवं निरीक्षण मे पालिका के सफाई, बिजली,और जलकल अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी पालिका की पूर्व निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्य करते रहे, नगर वासियो को त्यौहार पर पालिका से संबंधित सफाई एवं जल आपूर्ति से संबंधित समस्याओं को नोट करके उसके त्वरित निस्तारण के लिए पालिका मे बनाये गए कण्ट्रोल रूम मे संबंधित अधिकारियो / कर्मचारियों उपस्थित रहकर पालिका द्वारा नगर की निगरानी के लिए विभिन्न स्थानों पर लगवाए गए सी. सी. कैमरो से विभिन्न वार्ड / मोहल्लो की सफाई व्यवस्था की निगरानी की गयी व पालिका से संबंधित समस्या नोट कर उसका निस्तारण कराते रहे। इस प्रकार पालिका के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा ईद उल अजहा पर्व पर कुबार्नी के ओज के त्वरित निस्तारण एवं निर्बाध जलापूर्ति के लिए बनायीं गयी कार्ययोजना त्यौहार के पहले दिन पूर्ण रूप से सफल होती दिखाई दी। कुबार्नी के ओज हेतु बनाये गए कलेक्शन पॉइंट्स से तत्काल ओज को उठवा कर उसका निस्तारण कराया गया शाम होते होते नगर मे किसी भी स्थान पर किसी भी प्रकार की गंदगी दिखाई नहीं दी। इस सम्बन्ध मे पालिका उप नगरायुक्त डॉ बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की बकरीद पर्व को लेकर उनका बीते वर्षो का अनुभव रहा है, नगर मे मुस्लिम समाज द्वारा काफी संख्या मे परंपरागत रूप से पशुओं की कुबार्नी की जाती है तथा ये सिलसिला तीन दिनों तक चलता है। इसको लेकर गत वर्ष उनके द्वारा पशुओ के ओज के त्वरित निस्तारण हेतु पहली बार डोर स्टेप प्रक्रिया के अनुरूप पालिका के सफाई कर्मचारियों द्वारा सीधे घरों से कुबार्नी के ओज उठवा कर नगर के प्रत्येक वार्ड मे बनाये गए कलेक्शन पॉइंट पर ले जाकर उसको पालिका वाहनो से उठवा कर तत्काल निस्तारण कराया गया था, जिसमे पालिका को काफी सफलता प्राप्त हुई थी तथा कही से भी इस सम्बन्ध मे कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। इस प्लान को आम जनमानस से लेकर उच्चाधिकारियो तक ने सराहा था। इस वर्ष इसी व्यवस्था को और अधिक उन्नत और व्यवस्थित रूप से पूर्व से अधिक कर्मचारियों एवं संसाधनों के साथ बेहतर तरीके से लागू किया गया है। आशा है की सभी नगर वासी पालिका द्वारा नगरीय व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाये जाने के पालिका द्वारा किये जा रहे प्रयासों मे अपना सहयोग देंगे।

उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कारीगरों शिल्पियों को दिया जायेगा 15 दिवसीय आवासीय शिल्पकारी प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत जनपद अमरोहा में माटीकला एवं माटी शिल्पकला को बढावा देने हेतु माटीकला समन्वित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 दिवसीय निःशुल्क आवासीय शिल्पकारी प्रशिक्षण, मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड नजीबावाद, जनपद बिजनौर से प्रदान कराया जाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को माटीकला से सम्बन्धित दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाना, सजाबटी वस्तुएं बनाना, खिलौने एवं मूर्तियां बनाना, मिट्टी के उत्पादो पर कटिंग-पच्चीकारी-चित्रकारी-नक्कासी आदि विधाओं का प्रशिक्षण एवं बैंको से ऋण प्राप्त कर इकाईयां स्थापित करने हेतु योजनाओं की जानकारी प्रदान की जायेगी। उक्त 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक नवयुवक एवं युवतियां अपना आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदन पत्रों का चयन विभाग/ शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा तदोपरान्त चयनित आवेदकों को 15 दिन का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण अवधि में केन्द्र / प्रशिक्षण स्थल पर भोजन आदि की निःशुल्क व्यवस्था की जायेगी साथ ही शिक्षण सत्र के समापन / अन्तिम दिवस पर धनराशि 250 रू० प्रतिदिन की दर से प्रशिक्षुवृत्ति की धनराशि 3750.00 रू० भी प्रशिक्षणार्थी के बैंक खाते में आर० टी० जी० एस०/ एन०ई० एफ० टी० के माध्यम से स्थानान्तरित कर दी जायेगी। इच्छुक आवेदक 15 जून तक upmati kalaboard.in पर लॉगिन कर आवश्यक प्रपत्र अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है अथवा किसी भी कार्य दिवस में अपने फोटो, आधार कार्ड, योग्यता प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक की छाया प्रति तथा जाति प्रमाण पत्र के साथ जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, नियर रेलवे स्टेशन, जनपद अमरोहा में सम्पर्क कर सकते हैं। आवेदक उ०प्र० का मूल निवासी हो, उसकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो वह माटीकला की जानकारी रखता हो तथा उसका साक्षर होना अनिवार्य है। राशन कार्ड के आधार पर एक परिवार से एक सदस्य का ही चयन किया जायेगा, चयन में दिव्यांग, बी०पी०एल० परिवार के सदस्यों तथा महिलाओं को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।

धनौरा में सपा कार्यकताओं ने मतदाता सूची में गड़बड़ी होने का लगाया आरोप,उपजिलाधिकारी से की जांच की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने विधानसभा क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे को एक ज्ञापन सौंपा।सपा नेताओं का दावा है कि वर्तमान मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर डुप्लीकेट नाम शामिल किए गए हैं और एक ही मतदाता का नाम कई जगह दर्ज कर दिया गया है।उन्होंने लोकतंत्र की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सूची की गहन जांच कराकर तुरंत संशोधन करने की मांग की है। सपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य आलोक कुमार भारती और जिला कोषाध्यक्ष विपिन कौशिक के संयुक्त नेतृत्व में शुक्रवार को कार्यकर्ता तहसील परिसर पहुंचे थे। बता दें कि इस दौरान सपा नेताओं ने कहा कि अंतिम मतदाता सूची में कई तरह की विसंगतियां सामने आ रही हैं। एक ही व्यक्ति का नाम अलग-अलग बूथों या एक ही सूची में बार-बार दोहराया गया है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो सकते हैं।नेताओं ने एसडीएम से मांग की कि इन फर्जी और दोहरे नामों को चिह्नित कर सूची से तुरंत हटाया जाए, ताकि आने वाले चुनावों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोका जा सके।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए सपा कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि मामले की गंभीरता से जांच कराई जाएगी।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिहीन और पारदर्शी बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है, और पाई गई कमियों को जल्द ही दुरुस्त कर लिया जाएगा।इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से विपिन कौशिक (जिला कोषाध्यक्ष), पूर्व जिला पंचायत सदस्य आलोक भारती, निर्दोष सैनी, लखमीचंद चौधरी एडवोकेट, डॉक्टर अनीस मलिक, धर्मपाल जाटव, सिद्धार्थ यादव एडवोकेट, कौशिंदर जाटव, पंकज यादव, ओसाब खान एडवोकेट, मुहम्मद अली और पंकज चौधरी सहित भारी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के निरन्तर पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत Under Process EUa Unprocessed फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 का ई०सी०आई० नेट पर निस्तारण किये जाने की समीक्षा हेतु समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश से निरन्तर पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत प्राप्त हो रहे फार्म 6, 6ए, 7 एवं 8 की ई०सी०आई० नेट पर प्रोसेसिंग / निस्तारण से संबंधित साप्ताहिक समीक्षा करते हुए बिना किसी औचित्य के 07 दिवस के भीतर ई०सी०आई० नेट पर फार्मों के प्रोसेसिंग की कार्यवाही नहीं किये जाने के संबंध में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर एनेक्जर-ए पर सूचना / विवरण प्रत्येक माह की 02 तारीख तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को प्रेषित किये जाने के नवीनतम निर्देश प्राप्त हुए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 01 अप्रैल से 21 मई तक की ई०सी०आई० नेट से प्राप्त फार्मों के प्रोसेसिंग एवं अण्डरप्रोसेस फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 की स्थिति से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त उपजिलाधिकारी / ई०आर० ओ० एवं समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि निरन्तर पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त हो रहे फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 का ईसीआई नेट पोर्टल पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा अपने से संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत ई०पी० रेशियों एवं जेण्डर रेशियों में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि जितने भी पेंडेंसी है उसे खत्म करें और फॉर्म का डिस्पोजल ऐसा करें जिससे कोई आपत्ति ना आए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनोरा, उप जिलाधिकारी अमरोहा, उप जिलाधिकारी नोगवाँ सादात, उप जिलाधिकारी हसनपुर (वर्चुअल रूप से) तहसीलदार आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित है।

उत्तर प्रदेश:- मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना शुरू, कुम्हारों को 10 लाख तक का सहयोग

अमरोहा/लखनऊ (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा परंपरागत कुम्हारों, माटीकला कारीगरों और शिल्पियों के आर्थिक उत्थान के लिए मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना संचालित की जा रही है। योजनान्तर्गत अधिकतम 10 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर 95 प्रतिशत तक ऋण बैंक द्वारा स्वीकृत किया जाएगा तथा पूंजीगत ऋण पर 25 प्रतिशत अनुदान विभाग द्वारा लाभार्थी को प्रदान किया जाएगा। योजना के तहत खिलौना निर्माण, घरेलू मिट्टी के बर्तन (घड़ा, सुराही, कुल्हड़, प्लेट्स आदि), भवन निर्माण सामग्री (टाइल्स, पाइप, वॉश बेसिन) तथा सजावटी सामान (गार्डन पॉट्स, लैंप आदि) से संबंधित उद्योग स्थापित किए जा सकेंगे।महत्वपूर्ण शर्तें:केवल व्यक्तिगत इकाइयां ही स्थापित की जाएंगी। आवेदक की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो और वह उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो। 5 लाख तक की परियोजना के लिए साक्षरता अनिवार्य, 5 लाख से अधिक के लिए कक्षा 8 उत्तीर्ण आवश्यक। बैंक ऋण स्वीकृति के बाद 7 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण अनिवार्य। इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतियां अपना आवेदन 10 जून 2026 तक ऑनलाइन पोर्टल upmatikalaboard.in पर जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ प्रोजेक्ट रिपोर्ट, शैक्षिक प्रमाण-पत्र, प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र (आरक्षित वर्ग के लिए) आदि संलग्न करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 9580503148 पर संपर्क करें या जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड, पुष्कर नगर, अमरोहा में संपर्क किया जा सकता है।यह योजना कुम्हार समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने और पारंपरिक कौशल को आर्थिक रूप से मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

जिलाधिकारी ने किया सीएचसी बछरायु का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बछरायुं का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अस्पताल के निरीक्षण के समय चिकित्सालय की ओ०पी०डी० सेवायें, एन०बी० एस०यू०, आई०पी०डी०, एस0 टी0ई0 एम0आई0 कक्ष, फामेर्सी, औषधि वितरण कक्ष, लैबर रूम एवं नर्सिंग स्टाफ का भी इस निरीक्षण किया गया। उन्होंनें एस0टी0 ई0 एम0 आई0 कक्ष में साफ-सफाई, बेडशीट बदलने के निर्देश दिये। उन्होंनें कहा कि चिकित्सालय में वाटर कूलर में ओ0आर0एस0 का घोल अवश्य होना चाहिये। डॉ० नितिन गौड़ द्वारा ओ०पी०डी० के अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंनें उपस्थित नर्सिंग स्टाफ से जानकारी प्राप्त की कि डिलीवरी होने के उपरान्त कितने समय रोका जाता है। क्या-क्या सुविधायें प्रदान की जाती है। सी0एम0एस0 डॉ0 रंजना जी द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया कि चिकित्सालय में जनरेटर खराब और इसके साथ-साथ ही स्टाफ की कमी सहित अन्य आवश्यक सुविधायों की कमी के बारे में अवगत कराया, जिस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही जो कमी है उन्हें पूर्ण किया जायेगा। इसके उपरान्त जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ द्वारा सी०एम० एस०डी० स्टोर का निरीक्षण कर उपलब्ध ई०डी०एल० दवाईयों की जानकारी फार्मासिस्ट से ली। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में दवाईयां उपलब्ध है। उसके बाद उन्होंने एंटी रेबीज और एंटी वेनम के इंजेक्शन की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। जिस पर फार्मासिस्ट द्वारा पर्याप्त मात्रा में उक्त इंजेक्शन उपलब्ध होने के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि एंटी रेबीज और एंटी वेनम के इन्जेक्शन के फ्रिज में निर्धारित तापमान पर रखें हो। इस अवसर पर सी0एम0एस0 डॉ0 रंजना और डॉक्टर्स उपस्थित रहे।

गजरौला में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की शिकायत पर पथराव व फायरिंग, पिता-पुत्र सहित तीन घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली में सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की शिकायत को लेकर दो पक्षों में जमकर विवाद हुआ। इस दौरान शिकायत करने पहुंचे दुकानदार और उसके परिवार पर विशेष समुदाय के लोगों ने हमला कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि उसने पथराव और फायरिंग का रूप ले लिया। जिसमें पिता और पुत्र समेत तीन लोग छर्रे लगने से घायल हो गए जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें कि नगर कोतवाली के मोहल्ला अवंतिका नगर निवासी कपिल गोस्वामी की घर के बाहर मसाले की दुकान है कपिल का आरोप है कि मोहल्ला निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। गुरुवार की देर रात दुकान बंद करने के बाद कपिल उस युवक से सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की शिकायत करने के लिए पहुंचा। कपिल के द्वारा युवक से शिकायत करने पर उसने उसके साथ गाली-गलौज एवं मारपीट शुरू कर दी ,कपिल का आरोप है कि उसने मौके पर 15-20 साथियों को बुला लिया जिन्होंने आते ही कपिल के साथ मारपीट और पत्थर शुरू कर दिया उधर झगड़ा होते देख कपिल के पिता ओमकार वन और चचेरे भाई मन्नू मौके पर पहुंच गए, हमलावरों उन पर भी पथराव किया और तमंचे से उनके ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान कपिल को छर्रे लग गए जिससे वह घायल हो गया, उधर पिता ओंमकार वन की कमर में और चचेरे भाई मन्नू भी छर्रे लगने से घायल हो गए। उधर विवाद की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसको देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए। विवाद में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया है कि इस मामले में चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है और आगे की कार्यवाही प्रचलित है।

धनौरा क्षेत्र में किसानों के लिए (NAREX) की तरफ से एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन,150 से अधिक किसानों ने की भागेदारी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में किसानों के लिए नारेक्स (NAREX) की तरफ से प्रमुख सुगंध कंपनी जीवोदांन (Givoudan) के सहयोग से एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 150 से अधिक किसानों ने भागेदारी की। आयोजित कार्यक्रम के दौरान वहां उपस्थित वैज्ञानिकों ने किसानों को पुनयोर्जी खेती के गुण सिखाए साथ कम लागत में उत्पादन को बढ़ाने का तरीका भी बताया। बता दें कि इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य खेत, मिट्टी और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए कम लागत में मेंथा का रिकॉर्ड उत्पादन प्राप्त करना था।कार्यक्रम में केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (CIMAP) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राकेश कुमार और डॉ. संतोष केदार ने तकनीकी साझेदार के रूप में शिरकत की। वैज्ञानिकों ने किसानों को पुनयोर्जी कृषि (Regenerative Agriculture) की बारीकियां समझाई।रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी के बंजर होने के प्रति आगाह किया। उन्होंने कम पानी में बेहतर उत्पादन, फसल प्रबंधन, उन्नत प्रजातियों के चयन और जैविक कीट नियंत्रण के वैज्ञानिक तरीके साझा किए।नारेक्स के क्वालिटी एवं सस्टेनेबिलिटी हेड ललित यादव और डॉ. अनुराग नाथ ने टिकाऊ खेती के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य की खेती पर्यावरण संरक्षण पर आधारित है, इसलिए कंपनी लगातार किसानों को टिकाऊ खेती से जोड़ रही है।जिवोदाँन के प्रतिनिधि अंबिका दास ने बताया कि प्राकृतिक संसाधनों को बचाकर ही आने वाली पीढ़ी को उपजाऊ जमीन दी जा सकती है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सतत और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल की भी सराहना की गई।प्रशिक्षण के दौरान किसानों ने वैज्ञानिकों से सीधे सवाल-जवाब किए और मेंथा की खेती में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का मौके पर ही समाधान प्राप्त किया। नई तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।इस कार्यक्रम में महिपाल सिंह, लटूर सिंह, लेखराज सिंह, सतवीर सिंह, सोनू सैनी, हरिओम सैनी, शंकर सैनी, विमला देवी, सविता देवी, माया देवी, सुनीता देवी, जितेंद्र सिंह, प्रेम सिंह, कमल सिंह, परम सिंह, गजराम सैनी, होमपाल सिंह, राधे सैनी, राजपाल सिंह, सुनील कुमार, विपिन कुमार, गुलाब सिंह, दुर्गा सैनी, नरेश यादव और दयाराम शर्मा सहित आसपास के कई गांवों के सैकड़ों प्रगतिशील किसान व महिलाएं उपस्थित रहीं।

चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा व किसान गोष्ठी आयोजित

कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विस्तार से की गई चर्चा

संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को चमरौआ में किसान मसीहा एवं देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन गांव, गरीब, किसान और मजदूरों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब का नारा जिसका हाथ हल की मूठ पर, जमीन उसकी आज भी किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके प्रयासों से जमींदारी प्रथा का अंत हुआ और किसान अपनी जमीन का वास्तविक मालिक बन सका।

उन्होंने वर्तमान समय में किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर नहीं मिल रहा है, डीएपी और यूरिया के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है तथा बिजली कटौती के कारण फसलें प्रभावित हो रही हैं। ऐसे समय में चौधरी चरण सिंह की नीतियों को अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संगठन उनके आदर्शों पर चलते हुए किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहेगा। जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने कहा कि युवा किसानों को चौधरी चरण सिंह के विचारों से प्रेरणा लेकर संगठित होना चाहिए। वहीं युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने जमींदारी उन्मूलन, चकबंदी और किसान कर्ज राहत जैसे ऐतिहासिक निर्णय लेकर किसानों को मजबूत बनाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि आज एमएसपी, खाद और बिजली जैसी समस्याओं का समाधान भी उनकी नीतियों में निहित है।

किसान गोष्ठी के उपरांत संगठन के कार्यकताओं द्वारा गांव में शरबत वितरण शिविर लगाया गया, जिसमें राहगीरों को शरबत पिलाकर सेवा कार्य किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए थाना प्रभारी क्राइम सत्यविजय सिंह, चौकी प्रभारी अरुण कुमार, उपनिरीक्षक विशांत मलिक, उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक सुधीर कुमार, उपनिरीक्षक कैलाश सिंह सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। संगठन के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण आयोजन के लिए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी, जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील अध्यक्ष मेहंदी हसन, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार, ब्लॉक महासचिव श्रीपाल यादव, सुरेन्द्र भाटी, सुनील राठी, धर्म सिंह, कनिक चौधरी, अनवार अली, अंकुल कुमार तथा महिला मोर्चा से सोनी शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24वें जन्मदिन पर पेश की सेवा की मिसाल, गौसेवा से लेकर वृद्धाश्रम में कराया भोजन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- स्थानीय क्षेत्र के प्रतिष्ठित युवा व्यवसायी एवं समाजसेवी राम वार्ष्णेय भगतजी ने अपना 24वां जन्मदिन सादगी, सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने जन्मदिन को पूरी तरह समाज के जरूरतमंद लोगों, गौवंश और बुजुर्गों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर राम वार्ष्णेय भगतजी सबसे पहले स्थानीय गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गौवंश की सेवा की। भीषण गर्मी को देखते हुए उन्होंने गौशाला में गायों को तरबूज खिलाकर उनकी सेवा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है और उनका आशीर्वाद जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। इसके बाद दोपहर की तपती धूप और चिलचिलाती गर्मी से परेशान राहगीरों, रिक्शा चालकों एवं आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से राम वार्ष्णेय भगतजी एवं उनके सहयोगियों द्वारा शीतल एवं मीठे शरबत का वितरण किया गया। शरबत स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर गर्मी से राहत पाई और इस सेवा कार्य की सराहना की। सेवा का यह क्रम शाम तक जारी रहा। राम वार्ष्णेय भगतजी वृद्धाश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने वहां रह रहे बुजुर्गों के बीच समय बिताया, उनका कुशलक्षेम जाना और उन्हें रात्रि भोजन कराया। इस दौरान बुजुर्गों ने उनके इस सेवा भाव की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें दीघार्यु, स्वस्थ जीवन और निरंतर सफलता का आशीर्वाद दिया। राम वार्ष्णेय भगतजी ने कहा कि उन्हें अपने पिता और परिवार से सेवा एवं परोपकार के संस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा, जन्मदिन मनाने का वास्तविक उद्देश्य केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों के जीवन में खुशियां बांटना होना चाहिए। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। उनके इस सेवा कार्य की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि युवाओं को राम वार्ष्णेय भगतजी से प्रेरणा लेकर अपने विशेष अवसरों को समाज सेवा से जोड़ना चाहिए। इस दौरान उनके मित्रगण, परिजन एवं सहयोगी भी उपस्थित रहे और सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

50 हजार रुपये की रंगदारी मांगने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार, 10 हजार रुपये बरामद

जुनावई/सम्भल (सब का सपना):- थाना पुलिस ने रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार बीते बुधवार को ग्राम गंगुर्रा निवासी योगेश कुमार पुत्र बादशाह ने थाना जुनावई में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव निवासी महिपाल पुत्र कैलाश उससे 50 हजार रुपये की अवैध मांग कर रहा था। आरोप है कि रुपये न देने पर आरोपी ने उसे गोली मारकर हत्या करने तथा अपनी पत्नी को गोली मारकर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी थी। धमकियों से भयभीत होकर पीड़ित ने आरोपी को 10 हजार रुपये दे दिए थे। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जुनावई में मुकदमां दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में गुरुवार को थाना जुनावई पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त महिपाल पुत्र कैलाश,को कादराबाद गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीड़ित से लिए गए 10 हजार रुपये भी बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। थाना जुनावई पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है तथा किसी भी प्रकार की अवैध वसूली, रंगदारी और धमकी देने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आंधी-तूफान और वज्रपात से बचाव के लिए प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

आंधी-तूफान एवं आकाशीय बिजली की घटनाओं को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में बदलते मौसम, आंधी-तूफान एवं आकाशीय बिजली की घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रिय सिंह द्वारा आमजन की सुरक्षा के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई है। प्रशासन ने नागरिकों से मौसम खराब होने की स्थिति में विशेष सतर्कता बरतने और जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि आंधी-तूफान और वज्रपात के दौरान थोड़ी सी लापरवाही भी जान-माल के लिए खतरा बन सकती है। ऐसे में सभी नागरिक मौसम विभाग की चेतावनियों पर ध्यान दें और सुरक्षित स्थानों पर रहने को प्राथमिकता दें। उन्होंने बताया कि आंधी-तूफान के दौरान टिन की छतों, होर्डिंग्स, जर्जर मकानों, पेड़ों, बिजली के खंभों और मोबाइल टावरों से दूर रहना चाहिए। घरों की छतों अथवा खुले स्थानों पर रखी भारी वस्तुओं को सुरक्षित बांधकर रखना चाहिए ताकि तेज हवा में वे उड़कर दुर्घटना का कारण न बनें। यात्रा के दौरान खराब मौसम आने पर सुरक्षित स्थान पर रुक जाना चाहिए। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि आंधी के समय धारदार एवं नुकीली वस्तुएं खुले में न रखें तथा धातु से बनी वस्तुओं के उपयोग से बचें। साथ ही किसी भी परिस्थिति में पेड़ों के नीचे शरण नहीं लेनी चाहिए। आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के दौरान लोगों को पक्के मकानों में शरण लेने, खिड़की, दरवाजों और बरामदों से दूर रहने तथा पेड़ों, मोबाइल टावरों, बिजली के खंभों, तालाबों, जलाशयों और कच्चे मकानों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। बच्चों को खराब मौसम में बाहर खेलने न भेजें और लोहे की खिड़कियों, दरवाजों तथा हैंडपंप को छूने से बचें। एडवाइजरी में यह भी बताया गया है कि यदि कोई व्यक्ति खुले खेत में फंस जाए तो वह दोनों कान बंद कर पैरों को सटाकर घुटनों के बल उकडू बैठ जाए। यह स्थिति आकाशीय बिजली के प्रभाव को कम करने में सहायक हो सकती है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मौसम संबंधी पूर्व चेतावनियों और अलर्ट की जानकारी प्राप्त करने के लिए आमजन 'दामिनी ऐप' और 'सचेत ऐप' का उपयोग करें। ये ऐप वर्षा, आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली और अन्य मौसमीय घटनाओं की सटीक जानकारी उपलब्ध कराते हैं। दोनों ऐप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किए जा सकते हैं। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि वज्रपात के दौरान पेड़ों के नीचे खड़ा होना, दीवार का सहारा लेना, धातुयुक्त नल, फ्रिज या अन्य विद्युत उपकरणों को छूना खतरनाक हो सकता है। भारी विद्युत उपकरणों को प्लग से अलग कर देना चाहिए। इसके अलावा खुले वाहनों में यात्रा करने, तैराकी करने या नौकायन से भी बचना चाहिए। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि मौसम खराब होने की स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि सावधानी बरतते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना से बचा जा सके।

दर्दनाक सड़क हादसे में टेंपो सवार युवक और युवती की मौत,परिवारों में मचा कोहराम

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में मझावली मील के पास शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में टेंपो सवार युवक और युवती की मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार अभिषेक पुत्र प्रमोद (30 वर्ष) निवासी सिलेटा की मढ़ैया, थाना बनियाठेर को दोपहर पप्पू नामक व्यक्ति द्वारा टेंपो से सीएचसी बहजोई लाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसी दुर्घटना में श्वेता पुत्री विनोद (26 वर्ष) निवासी बहजोई, अज्जी हलवाई के निकट, भी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे मंजू दिलेर द्वारा निजी एंबुलेंस से सीएचसी बहजोई पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि श्वेता मंजू दिलेर की ननद थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों टेंपो में सवार थे। माझावली मील के पास टेंपो किसी वाहन अथवा अन्य कारण से दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है। इस हृदयविदारक हादसे से दोनों परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है। क्षेत्र के लोगों ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

डीएम के निर्देश पर अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई तेज, तालाब कराया गया कब्जामुक्त

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में जनपद भर में चकमार्गों, तालाबों एवं सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को तहसील चंदौसी क्षेत्र के ग्राम जनैटा में राजस्व विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि जनपद में स्थित चकमार्गों, तालाबों और अन्य सरकारी भूमि का चिन्हीकरण कर उन पर हुए अवैध कब्जों को हटाने की प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही दो हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों की सूची तैयार कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसी अभियान के तहत उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी के निर्देशन में नायब तहसीलदार सतेन्द्र चाहर के नेतृत्व में राजस्व टीम ने ग्राम जनैटा पहुंचकर तालाब गाटा संख्या 212, रकबा 0.073 हेक्टेयर भूमि की पैमाइश कराई। जांच में भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया, जिसके बाद राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया और तालाब की भूमि को कब्जामुक्त कराकर ग्राम प्रधान को सुपुर्द कर दिया। उप जिलाधिकारी नीतू रानी ने बताया कि जिलाधिकारी के निदेशार्नुसार तहसील क्षेत्र में सरकारी भूमि, चकमार्गों एवं तालाबों पर हुए अवैध कब्जों को चिन्हित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट कहा कि जनपद में किसी भी तालाब, चकमार्ग अथवा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने और सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि तालाबों का संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तालाब भूजल स्तर को बनाए रखने, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए तालाबों के संरक्षण, पुनर्जीवन और अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई को प्राथमिकता के आधार पर अमल में लाया जा रहा है।

प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारकों में हड़कंप मचा हुआ है, जबकि स्थानीय लोगों ने तालाबों और सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान की सराहना की है।

दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की भिड़ंत में मासूम समेत चार घायल

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के थाना धनारी क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक मासूम बच्चे सहित चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुभम शर्मा पुत्र सियाराम (40 वर्ष), कंचन पत्नी शुभम शर्मा (35 वर्ष), रुद्र पुत्र विष्णु शर्मा (2 वर्ष) तथा कंचन पत्नी विष्णु शर्मा निवासी बम्बा रोड, बहजोई एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव दानपुर से दवा लेकर वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल गांव छपरा के निकट पहुंची, सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने घायलों को तत्काल सीएचसी बहजोई पहुंचाया। चिकित्सकों ने सभी को प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार लोगों की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को सहायता पहुंचाने में सहयोग किया। परिजनों ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

सीडीओ रणविजय सिंह ने शाहपुर खेड़ी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया निरीक्षण

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बिजनौर रणविजय सिंह ने शुक्रवार को सीएचसी स्योहारा अंतर्गत आने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर शाहपुर खेड़ी का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बताया गया कि शाहपुर खेड़ी गांव में सीडीओ रणविजय सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख उज्ज्वल चौहान की अध्यक्षता में चौपाल का आयोजन किया गया था। चौपाल समाप्त होने के बाद सीडीओ अचानक गांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंच गए

और वहां व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक प्रमुख उज्ज्वल चौहान, बीडीओ स्योहारा विक्रम सिंह तथा सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही भी मौजूद रहे। केंद्र पर एएनएम अंजू नागर एवं सीएचओ नित्या राज उपस्थित मिले। सीडीओ ने एएनएम अंजू नागर से उनके कार्यों की जानकारी ली तथा उपलब्ध उपकरणों एवं दवाओं के बारे में पूछा। एएनएम ने बताया कि उनके द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का नियमित टीकाकरण कराया जा रहा है तथा गांव-गांव जाकर सात टीकाकरण सत्रों का संचालन भी किया जाता है। इसके बाद सीडीओ ने सीएचओ नित्या राज के कक्ष में पहुंचकर स्वास्थ्य उपकरणों की कार्यशीलता जांची। उन्होंने बजन मशीन से अपना वजन कराया तथा बीपी भी चेक कराया, जो सामान्य पाया गया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध दवाओं की जानकारी लेते हुए जिन दवाओं की कमी है उनका इंडेंट जिला स्तर पर भेजने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सीडीओ रणविजय सिंह ने अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को भी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सभी जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं नियमित एवं प्रभावी रूप से जनता को उपलब्ध कराई जाएं।

णमोकार महामंत्र का जाप किया सकल जैन समाज ने

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर में इस्लाम धर्म की एक प्रथा अनुसार आज बकरा ईद पर अनगिनत मूक पशुओं की बलि दी जाती है। प्रदीप शास्त्री जैन ने बताया कि जैन धर्म के मूल सिद्धांत "अहिंसा परमो धर्मः" सर्वथा ही इन निर्दोष एवं मूक पशुओं के लिए कल्याण की भावना भाता आया है। इस लिए धामपुर जैन समाज द्वारा श्री

शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रातः लगातार एक घंटा णमोकार महामंत्र का सामूहिक पाठ मूक पशुओं की हुई निर्मम हत्या पर उनकी आत्मिक शांति हेतु किया गया। इस अवसर पर सकल जैन समाज के महिला व पुरुष उपस्थित रहे। जिसमें प्रदीप शास्त्री नमन जैन सुनील जैन राजीव जैन मनोज जैन ऋषभ जैन ममता जैन राखी जैन गीता जैन सीमा जैन आदि शामिल रही।

नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद देशवाल का वीडियो वायरल

डीएम और सीएमओ के निर्देशों के बाद भी चचाएँ तेज

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

बिजनौर (सब का सपना)स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद देशवाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जनपद में चचाओं का माहौल गर्म है। वायरल वीडियो में डॉ. देशवाल कार में बैठे दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक व्यक्ति उनसे बातचीत करता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और निजी स्वास्थ्य संस्थानों की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों और स्थानीय चचाओं के अनुसार जिले में लंबे समय से अप्रशिक्षित चिकित्सकों, निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब, अल्ट्रासाउंड सेंटर और क्लीनिकों के संचालन को लेकर अंदरखाने व्यवस्थाओं की बातें सामने आती रही हैं। हालांकि

इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वायरल वीडियो ने पूरे मामले को चर्चा का विषय बना दिया है। बताया जा रहा है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से भी जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद अब तक स्पष्ट विभागीय कार्रवाई सामने न आने से लोगों में तरह-तरह की चचाएँ हो रही हैं। उधर डॉ. प्रमोद देशवाल ने वायरल वीडियो को निजी लेन-देन से जुड़ा मामला बताया है। उनका कहना है कि किसी प्रकार की अवैध धनराशि नहीं ली गई, बल्कि पूर्व में दिए गए रुपये वापस लिए जा रहे थे। संपत्तियों और लंबे समय से तैनाती को लेकर भी उठ रही जांच की मांग सूत्रों के अनुसार डॉ. प्रमोद देशवाल मूल रूप से ग्राम सिकंदरपुर, थाना कोतवाली देहात, तहसील नजीबाबाद, जनपद बिजनौर के निवासी बताए जाते हैं। वर्ष 2003 की विधानसभा मतदाता सूची में डॉ. प्रमोद देशवाल एवं उनके परिवार के सदस्यों के नाम दर्ज होने की चर्चा भी क्षेत्र में बनी हुई है। स्थानीय स्तर पर यह भी कहा जा रहा है कि पिछले लगभग दो दशकों से जनपद में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों पर कार्यरत रहने के दौरान उन्होंने काफी प्रभाव स्थापित कर लिया। क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि उनके परिवार के सदस्यों के नाम से विभिन्न प्रकार की संपत्तियां, प्लॉट एवं कृषि भूमि होने की बातें सामने आती रही हैं। हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कुछ लोगों और सामाजिक संगठनों द्वारा यह मांग भी उठाई जा रही है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि आवश्यक हो तो आय से अधिक संपत्ति अथवा संपत्तियों के स्रोतों की भी जांच कराई जाए। साथ ही पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उनका स्थानांतरण पूर्वांचल अथवा किसी अन्य दूरस्थ जनपद में किए जाने की मांग भी चचाओं में बनी हुई है।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह का हुआ सरस्वती विद्या मंदिर में भव्य स्वागत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना में विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश सिंह एवं समस्त विद्यालय समितिद्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर माता की आराधना करते हुए समर कैंप का समापन कार्यक्रम किया गया भैया और बहिनों ने तरह-तरह की गतिविधियां जैसे योग, डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट, कला एवं पेंटिंग और भी अन्य प्रकार के खेलों का प्रदर्शन किया जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमान हरपाल सिंह प्रजापति जी

(विदुर ग्रामीण बैंक से सेवा निवृत बैंक मैनेजर), अरुण कुमार प्रजापति जी (मुख्य महासचिव राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ), ऋषि पाल प्रजापति जी (कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ), मंजीत प्रजापति जी तथा रोहित रवि जी (प्रांतीय पार्षद बीजेपी), संजय वर्मा जी (विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख आरएसएस), एवं समस्त विद्यालय समिति प्रबंधक डॉक्टर संदीप शर्मा जी एवं डॉक्टर बलेश बिश्नोई जी (कोषाध्यक्ष) एवं विद्यालय के सभी आचार्य बंधु और आचार्य बहिनें उपस्थित रहे ! अंत में विद्यालय के प्रबंधक जी ने अपने उद्बोधन द्वारा भैया और बहिनों का मार्गदर्शन किगा।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 31 मई को कानपुर में

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर के शीला टॉकीज तिराहे के निकट निवासी अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह चौहान ने बताया कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह तंवर के निर्देशानुसार महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक दिनांक 31 मई को प्रातः 11 बजे प्रीमियर होटल लोटस, कानपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री गुलाब सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ

डी. एस. सिंह, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राठौर सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग भाग लेंगे।
बैठक में भारत के विकास में क्षत्रिय समाज के ऐतिहासिक एवं वर्तमान योगदान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही वर्तमान समय में क्षत्रिय समाज की दशा एवं दिशा, सामाजिक संगठन की मजबूती तथा समाज के निचले एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़कर आगे बढ़ाने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।
प्रो. राजेश सिंह चौहान ने बताया कि बैठक में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की जाएगी।

कांग्रेस बोली- जनसमस्याओं से ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही भाजपा

बिजनौर (सब का सपना),:- महोबा हुई की दलित छात्रा के अपहरण और कथित दुष्कर्म प्रकरण को लेकर बिजनौर कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है, जबकि प्रदेश में कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेसजी जिलाध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महोबा की छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ अमानवीय व्यवहार किए जाने के आरोप लगे, लेकिन सरकार का कोई

जिम्मेदार प्रतिनिधि पीड़ित परिवार का हाल जानने तक नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता उजागर होती है। हेनरीता राजीव सिंह ने आरोप लगाया कि जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पीड़िता के परिवार से मिलने पहुंचे तो उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि भाजपा कार्यकताओं और कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा विरोध प्रदर्शन कर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की गई। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, खराब स्वास्थ्य सेवाएं और विकास कार्यों में अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करने का काम किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना चाहती है तो उसे अपने मंत्रियों और विधायकों की संपत्तियों की भी जांच करानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़कों, अस्पतालों, दवाइयों और निर्माण कार्यों में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने दावा किया न कि जनता अब सरकार की नीतियों से परेशान हो चुकी है और आगामी चुनावों में इसका जवाब देगी। प्रेस वार्ता में आर.के. सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस), नगर अध्यक्ष हूमायूं बेग, विनोद तोमर, अनिल त्यागी सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

सीएचसी स्योहारा में डाटा एनालिटिक्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सीएचसी स्योहारा, जनपद बिजनौर में शुक्रवार को जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में डाटा एनालिटिक्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कैस्केड ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वास्थ्य कर्मियों को टीकाकरण कार्यक्रम से जुड़े डेटा प्रबंधन एवं विश्लेषण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जेएसआई के जिला कॉर्डिनेटर अमित द्वारा सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन प्री एवं पोस्ट टेस्ट भी आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. के.पी. सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम विभिन्न डिजिटल मंचों के माध्यम से बड़ी मात्रा में डेटा उत्पन्न करता है, लेकिन यह जानकारी नियमित योजना एवं समीक्षा प्रक्रियाओं में पूरी तरह

उपयोग नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में संचालित यह परियोजना एडवांस्ड एनालिटिक्स की सहायता से निर्णयकताओं को समयबद्ध, कार्रवाई योग्य एवं उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराती है, जिससे कार्यक्रमों का संचालन और कार्यान्वयन अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जेएसआई जिला कॉर्डिनेटर अमित ने बताया कि टीकाकरण एजेंडा-2030 के अनुरूप यह परियोजना देश की जीरो डोज क्रियान्वयन योजना के अंतर्गत संचालित की जा रही है। गावी के सहयोग से तैयार इस परियोजना का उद्देश्य स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना तथा जीरो डोज समुदायों की पहचान कर उन तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डेटा आधारित रणनीतियों को अपनाना है। सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य वंचित लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु निर्णयकताओं को समय पर और कार्रवाई योग्य जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत के 11 राज्यों के 143 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में लागू है, जिसमें जनपद बिजनौर भी शामिल है।

इस प्रोजेक्ट के माध्यम से जीरो डोज बच्चों की संख्या कम करने तथा टीकाकरण सुधार के लिए साक्ष्य आधारित गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला में ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारियों, एएनएम एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में सटीक डेटा प्रबंधन, विश्लेषण और बेहतर मॉनिटरिंग को लेकर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, एआरओ आलोक कुमार, डीईजी राशि, हेल्थ इंस्पेक्टर राजेश कुमार, हरिओम, लोकेश कुमार, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मामूली कहासुनी के बाद खूनी संघर्ष, घर में घुसकर भाई-बहन पर चाकू से हमला

दो आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश में जुटी पुलिस

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला नायक सराय में मामूली कहासुनी के बाद पड़ोसियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि पड़ोसियों ने घर में घुसकर परिवार के लोगों के साथ मारपीट की और युवक व उसकी बहन पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में युवक घायल हो गया,जबकि बीच-बचाव करने आई बहन की हाथ की एक उंगली कट गई।मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। नगर के मोहल्ला नायक सराय निवासी मुस्कान पुत्री कयामुद्दीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 मई की शाम करीब साढ़े चार बजे उसके भाई बिलाल की मोहल्ले के ही शाहबाज पुत्र इस्लामुद्दीन से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई। आरोप है कि कुछ देर बाद शाहबाज अपने पिता इस्लामुद्दीन के साथ उनके घर पहुंच गया और वहां आते ही उसके पिता कयामुद्दीन के साथ अभद्रता करते हुए थप्पड़ मार दिया। पीड़िता के अनुसार परिवार के लोगों ने विरोध किया तो विवाद और बढ़ गया। इसी दौरान शाहबाज के भाई शादाब,फैसल और रिहान भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि सभी ने मिलकर परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान शादाब ने उसके भाई बिलाल पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। शोर-शराबा सुनकर बीच-बचाव करने पहुंची उसकी बहन अदीबा पर भी चाकू से हमला किया गया। हमले में अदीबा के दाहिने हाथ की एक उंगली कट गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग एकत्र हो गए। आरोप है कि जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी व अफजलगढ़ कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने पीड़ितों के बयान, मेडिकल परीक्षण तथा घटनास्थल के निरीक्षण के आधार पर धारा 109(1) बीएनएस की बढ़ोतरी भी की है। शुक्रवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुकदमे में नामजद आरोपी शादाब (23 वर्ष) तथा शाहबाज उर्फ छोटे (18 वर्ष) पुत्रगण इस्लामुद्दीन निवासी मोहल्ला नायक सराय को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।उधर थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने बताया कि पीड़िता मुस्कान की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार, हेड कांस्टेबल रजनीश कुमार तथा कांस्टेबल विशाल मलिक शामिल रहे।

स्काउट गाइड शिविर की छात्राओं ने भीषण गर्मी में शीतल पेय किया वितरित

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के धामपुर में लाला केदारनाथ स्काउट गाइड शिविर की छात्राओं ने इस भीषण गर्मी में राहत देने के लिए शीतल पेय का वितरण किया। जिसका उद्घाटन विद्यालय के संरक्षक राकेश चंद्र अग्रवाल प्रबंध समिति से सरिता गोयल रश्मि गोयल एवं प्रधानाचार्या आभावती द्वारा फीता काटकर किया गया। स्काउट गाइड प्रभारी मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि नर सेवा ही नारायण सेवा है यह

मानकर स्काउट गाइड की छात्राओं ने इस भीषण गर्मी में आने जाने वाले राहगीरों को राहत देने के लिए मीठा शरबत का वितरण किया। राहगीरों एवं आने जाने वालों ने भी पीकर सबका आभार प्रकट किया। शिक्षिकाओं में अनीता भटनागर रेनू चौहान सरिता शर्मा पारुल पूर्णिमा शर्मा अलका एवं समस्त स्टाफ शामिल रहा। स्काउट गाइड की छात्राओं में कुमारी वर्णिका प्रियांशी जिया सैनी कृतिका जूही भूमिका राजपूत निशि प्रगति पल्लवी वंशिका काव्य परी सैनी मनसा आदि शामिल रही।

यातायात पुलिस का विशेष अभियान, तीन सवारी और बिना हेलमेट चलने वालों पर कार्रवाई

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन चेकिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की। विशेष रूप से दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाकर चलने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया, जिसमें 56 वाहनों का चालान किया गया। वहीं बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई करते हुए 76 चालान किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह एवं उनकी टीम ने केवल कार्रवाई ही नहीं की, बल्कि वाहन चालकों को रोककर यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया और कई लोगों को मौके पर ही हेलमेट पहनवाए। साथ ही उन्हें समझाया गया कि दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जानलेवा साबित हो सकता है। यातायात पुलिस ने अभिभावकों और युवाओं को भी जागरूक करते हुए कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी होने और वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनने से पहले किसी भी स्थिति में वाहन नहीं चलाना चाहिए। बिना लाइसेंस वाहन चलाना कानूनन अपराध होने के साथ-साथ स्वयं और दूसरों की जान को भी खतरे में डालता है। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा का संदेश देते हुए सीट बेल्ट, हेलमेट, निर्धारित गति सीमा, यातायात संकेतों का पालन और नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी भी दी। यातायात प्रभारी जगरोशन सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनपद में यह अभियान लगातार जारी रहेगा। यातायात नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और लोगों की अमूल्य जान बचाई जा सकती है। उन्होंने नागरिकों से सुरक्षित यात्रा के लिए सभी नियमों का पालन करने की अपील की।

मामूली हवा और बूंदाबांदी से चरमराई शिकारपुर की विद्युत व्यवस्था

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- मौसम में आए हल्के बदलाव और नाममात्र की हवा-बूंदाबांदी ने एक बार फिर बिजली विभाग के दावों की पोल खोल कर रख दी है नगर में मौसम का मिजाज जरा सा बदलते ही बिजली की आंख-मिचौनी का खेल शुरू हो गया बिजली की इस लुकाछिपी से परेशान स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली आई-गई आई-गई का सिलसिला लगातार चलता रहा जिससे लोग उमस और गर्मी में बेहाल हो गए त्यौहार की रात अंधेरे में डूबा रहा इलाका भारी नुकसान बिजली विभाग की सबसे बड़ी लापरवाही पवित्र त्यौहार बकराईद के मौके पर देखने को मिली ,स्थानीय निवासियों का आरोप है कि त्यौहार की रात को बिजली गुल रहने से उन्हें भारी मानसिक और आर्थिक नुकसान

उठाना पड़ा क्षेत्र के संभ्रान्त नागरिकों बिट्टू उर्फ सुहैल ठाकुर, फरमान खान, नदीम ठाकुर, नूरहसन, मौहम्मद फारूक, नौशाद, इलफान, सलीम, सलमान, इरफान, मौहम्मद इमरान, अब्दुला गाजी, आमिर, आसिफ कुरैशी, अजनान कुरैशी, इमरान अली, कलाम बाबा, और साविर, ने संयुक्त रूप से अपना रोष व्यक्त करते हुए बताया बकराईद के खास मौके पर पूरी रात बिजली न आने से हमारा भारी नुकसान हुआ है त्यौहार के मद्देनजर हम सभी ने खाने-पीने का कीमती सामान और अन्य सामग्रियां फ्रिज में सुरक्षित रखी थी लेकिन रात भर बिजली गायब रहने के कारण जब सुबह उठ कर देखा तो फ्रिज में रखा सारा सामान पूरी तरह खराब हो चुका था त्यौहार पर ही ड्रामा करता है बिजली विभाग स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि जब भी कोई बड़ा त्यौहार होता है बिजली विभाग की लापरवाही चरम पर पहुंच जाती है उपभोक्ताओं का कहना है कि आम दिनों की कटौती तो झेल ली जाती है लेकिन ऐन त्यौहार के वक्त ही बिजली विभाग अपना ड्रामा शुरू कर देता है जिससे त्यौहार का रंग फीका पड़ जाता है क्षेत्रवासियों ने विभागीय उच्चाधिकारियों से मांग की है कि जर्जर तारों और तकनीकी कमियों को जल्द से जल्द सुधारा जाए ताकि हल्की हवा चलते ही पूरी व्यवस्था ठप न हो और त्यौहारों पर निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके जब इस सम्बन्ध में विघुत विभाग के एसडीओ रामआशीष यादव, ने बताया कि बिजली आपूर्ति बारिश के कारण पीछे से ही बिजली कि सप्लाई फेल थी ।

प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना जहांगीराबाद ईदगाह प्रकरण, एसपी देहात को सौंपी गई जांच

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बे की ईदगाह में ईद की नमाज के दौरान पुलिस प्रशासन और कुछ राजनीतिक नेताओं के बीच हुई कहासुनी का मामला अब प्रदेशभर में चर्चा का विषय बन गया है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल संज्ञान लिया है और जांच की जिम्मेदारी एसपी देहात अन्तरिक्ष जैन को सौंप दी है। माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित लोगों की भूमिका तय करते हुए कार्रवाई की जा सकती है। बताया गया कि ईदगाह स्थल पर नमाज के दौरान भारी संख्या में लोग पहुंचे थे। सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा ईदगाह परिसर भर जाने के बाद बैरिकेडिंग कर दी गई थी। इसी दौरान समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक होशियार सिंह, रालोद नेता सुनील चरोरा तथा ब्लॉक प्रमुख पति मनोज खालौर समेत कुछ अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर नमाजियों को अंदर जाने देने की मांग की। नेताओं का आरोप था कि तय समय से पहले ही बैरिकेडिंग कर लोगों को नमाज पढ़ने से रोका गया, जिससे मौके पर असंतोष की स्थिति बन गई। वायरल वीडियो में पुलिस अधिकारियों और नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक साफ दिखाई दे रही है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए लोगों को शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में रखा। बाद में ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। सीओ विकास प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया गया था, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक की उम्र और सम्मान को ध्यान में रखते हुए हाथ जोड़कर सहयोग की अपील की गई थी। पुलिस का उद्देश्य केवल सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना था। उधर, घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पूरे प्रदेश में इस प्रकरण को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं पुलिस प्रशासन जांच के माध्यम से यह स्पष्ट करने में जुटा है कि आखिर मौके पर हालात बिगड़ने के लिए जिम्मेदार कौन था। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने मामले को गंभीर मानते हुए निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। सूत्रों की मानें तो जांच रिपोर्ट आने के बाद जिन लोगों की संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर मारपीट, चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बहजोई/सम्भल (सब का सपना) बॉबी कुमार:- जनपद के कोतवाली बहजोई क्षेत्र के गांव चितनपुर में गाली-गलौज का विरोध करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। आरोप है कि चार लोगों ने मिलकर दो युवकों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चितनपुर निवासी गफ्फार पुत्र नौसे अली ने कोतवाली बहजोई में दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार को सुबह करीब 8 बजे वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के ही नदीम पुत्र शकील, शमसुद्दीन पुत्र लल्लामियां, जफरूद्दीन पुत्र नामालूम तथा कय्यूम पुत्र शकूर वहां पहुंचे और उसे तथा शादाब पुत्र नवाब को बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। तहरीर के अनुसार जब गफ्फार ने गाली देने का विरोध किया तो आरोपियों ने आक्रोशित होकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में गफ्फार के सिर में चोट आई, जबकि शादाब के हाथ में खरोंचें आईं। आरोप है कि घटना के बाद आरोपी दोनों को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पीड़ित ने कोतवाली बहजोई पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बुलंदशहर के श्री राज राजेश्वर मंदिर में चल रहे हरि नाम संकीर्तन मंडल के 52वें वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत श्री भक्तमाल कथा का आयोजन

बुलंदशहर (सब का सपना):- कथावाचक नवनीत प्रियदास ने सातवें दिन की कथा में भक्त और भगवान के प्रेम की महिमा का वर्णन करते हुए कई आध्यात्मिक प्रश्नों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि भगवान अपने भक्तों के वश में रहते हैं, इसलिए भक्त की महिमा सर्वोपरि मानी गई है। उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन में रहकर भी सच्ची निष्ठा और श्रद्धा के साथ ईश्वर की भक्ति संभव है। कथा में यह भी बताया गया कि कलियुग में ईश्वर का संकीर्तन और संतों की संगति ही सबसे सरल और श्रेष्ठ साधन है। गुरु की शरण में रहकर निरंतर नाम स्मरण करने से मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है। कथावाचक ने अजामिल प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि ईश्वर के नाम में इतनी शक्ति है कि अनजाने में लिया गया नाम भी मनुष्य का उद्धार कर सकता है। कथा के अंत में श्रद्धालुओं से अहंकार त्याग कर संत सेवा और हरि नाम का आश्रय लेने का संदेश दिया गया। मंदिर परिसर में पूरे समय भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। हरि नाम संकीर्तन मंडल के संचालक प्रदीप गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि भक्तमाल कथा का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रतिदिन शाम 7 बजे से भजन संध्या का आयोजन भी किया जा रहा है, जो आगामी 31 मई तक चलेगा।

धामपुर रेलवे स्टेशन पर फिर गिरी पत्थर की क्लैडिंग, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए धामपुर रेलवे स्टेशन के नवनिर्मित परिसर में एक बार फिर निर्माण सामग्री का हिस्सा गिरने से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार स्टेशन भवन के बाहरी हिस्से पर लगी पत्थर की क्लैडिंग अचानक टूटकर नीचे गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय वहां कोई यात्री मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब आठ दिन पहले भी इसी तरह पत्थर गिरने की घटना सामने आई थी, लेकिन रेलवे प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेने के बजाय उसे दबाने का प्रयास किया। अब दूसरी बार ऐसी घटना होने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता तथा संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्टेशन भवन के कई हिस्सों में पत्थरों की फिटिंग और फिनिशिंग कार्य में खामियां साफ दिखाई दे रही हैं। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते तकनीकी जांच नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। घटना के बाद क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि कहीं निर्माण कार्य में अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार तो नहीं हुआ। स्थानीय नागरिकों ने रेलवे प्रशासन से पूरे निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं रेलवे प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इससे लोगों के बीच यह आशंका और गहरा रही है कि मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्टेशन भवन की तत्काल जांच कराने तथा निर्माण गुणवत्ता की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर सच्चाई सार्वजनिक करने की मांग की है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर अमरोहा पुलिस सख्त, एक दिन में 435 चालान, 200 ओवरस्पीड वाहन पकड़े

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में गुरुवार को यातायात पुलिस ने जनपदभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए पुलिस ने एक दिन में कुल 435 चालान काटे। अभियान के दौरान पटाखों जैसी तेज आवाज करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, दोषपूर्ण नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेल्मेट और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखकर चलने वालों पर कार्रवाई की गई। मोडिफाइड साइलेंसर लगी 1 बाइक को सीज भी किया गया। यातायात पुलिस ने हाईवे पर स्पीड लेजर गन लगाकर ओवरस्पीड चलने वाले 200 वाहनों के चालान किए। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों से अतिक्रमण हटवाकर जाम से राहत दिलाई गई। एसपी लखन सिंह यादव ने कहा कि सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि हेल्मेट पहनें, गति सीमा में वाहन चलाएं और वाहनों में अवैध मोडिफिकेशन न कराएं। नियम तोड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

जिलाधिकारी ने उप निबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत सर्वाधिक मूल्य के बैनामों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- शासन द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा उप निबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत सर्वाधिक मूल्य के बैनामों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुये कहा कि पर्याप्त स्टांप शुल्क अदा कर लेखपत्र (बैनामा) पंजीकृत कराएं।kजिलाधिकारी द्वारा उप निबन्धक, हसनपुर एवं क्षेत्रीय लेखपाल के चिन्हीकरण के आधार पर सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, अनूप कुमार सिन्हा के साथ ग्राम दाऊदपुर बुजुर्ग स्थित 98, 99 आदि व 60, 62 आदि में अन्तरित सम्पत्ति का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त उप निबन्धक, धनौरा क्षेत्रीय लेखपाल के चिन्हीकरण के आधार ग्राम बछरायुं स्थित गाटा संख्या 2193मि0 व 2194 में अन्तरित सम्पत्ति का निरीक्षण किया गया। जिसमें पक्षकारों द्वारा तथ्यों को छिपाकर करापवंचन का मामला प्रकाश में आया है। जिलाधिकारी ने सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, अमरोहा को उक्त प्रकरणों में वाद दर्ज कराने के निर्देश दिये और उप निबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत विलेखों की गुणवत्तापूर्ण जांच के भी निर्देश दिये गये। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, अमरोहा अनूप कुमार सिन्हा सहित संबंधित उपस्थित रहे।

राजौरी गार्डन में तेज रफ्तार कार का कहर, पैदल यात्री की मौत; चालक फरार

पश्चिमी दिल्ली। राजधानी में तेज रफ्तार का कहर लगातार जारी है। पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा रिंग रोड पर राजौरी गार्डन से मायापुरी जाने वाले मार्ग पर स्थित मार्बल मार्केट के पास शुक्रवार तड़के करीब 3:40 बजे हुआ। पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि करीब 40 वर्षीय एक

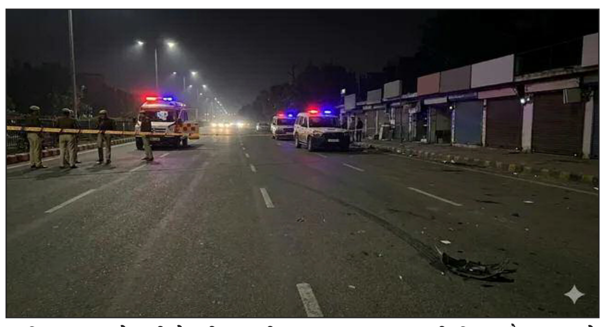

व्यक्ति सड़क के बीचों-बीच गंभीर हालत में पड़ा हुआ था। उसे तत्काल एंबुलेंस के जरिए हरि नगर स्थित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास नहीं मिला कोई पहचान पत्र पुलिस के अनुसार, मृतक के पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला है। शव को डीडीयू अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में पहचान के लिए सुरक्षित रखवा दिया गया है। डीसीपी पश्चिमी जिला डी.एस. भास्कर ने बताया कि पीसीआर कॉलर गुलशन ने सड़क पर शव पड़े होने की सूचना दी थी। उसने यह भी बताया कि हादसे में शामिल कार करीब 250 मीटर आगे सड़क किनारे खड़ी है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके से गोल्डन ब्राउन रंग की होंडा सिटी कार बरामद की। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसे के समय कार को 19 वर्षीय दक्ष मौर्य चला रहा था, जो शालीमार बाग का रहने वाला है। उसकी पहचान कर ली गई है और उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में राजौरी गार्डन थाने में एफआईआर संख्या 227/2026 के तहत बीएनएस की धारा 281 और 106(1) में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आगे की जांच जारी है।

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावरण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यो को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -
● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.
● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

जल्द ही बड़े पर्दे पर डांस का जलवा दिखाएंगे अहान

अहान पांडे की रोमांटिक ड्रामा हिट फिल्म 'सैयारा' के बाद से ही फैंस उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अहान जल्द ही पहली बार बड़े पर्दे पर एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में एक रोमांटिक हीरो के रूप में अपनी खास पहचान बना ली है। आज की युवा पीढ़ी उनकी दीवानी हो चुकी है। इस फिल्म से पहले अहान का एक वेडिंग डांस वीडियो यूट्यूब पर काफी वायरल हुआ था, जिसे 46 मिलियन (4.6 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। इस वीडियो में वह अलाना पांडे की शादी में अनन्या पांडे के साथ 'सात समुंदर पार' और अकेले 'आई एम द बेस्ट' गाने पर नाचते हुए दिखे थे। फैंस को उम्मीद थी कि निर्देशक मोहित सूरी अपनी फिल्म 'सैयारा' में अहान का कोई डांस नंबर रखेंगे, लेकिन फिल्म की कहानी के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन अब फैंस की यह ख्वाहिश जल्द ही पूरी हो सकता है। अहान के फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। इस समय वे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी हैं। इस फिल्म में अहान का पहला ऑन-स्क्रीन डांस नंबर होने जा रहा है। इस गाने की शूटिंग यूके के मैनचेस्टर शहर में होगी। गाने को फिल्माने के लिए 4 दिनों का समय तय किया गया है। अहान इसमें पुराने दिग्गज सितारों की तरह क्लासिक बॉलीवुड अंदाज में नाचते और गाते हुए नजर आएंगे। अहान शूटिंग के बचे हुए दिनों में अपने डांस स्टेप्स को और बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यश राज फिल्म्स इस गाने के लिए देश के एक बड़े कोरियोग्राफर को चुनने की तैयारी में है। मेकर्स का मकसद एक ऐसा गाना बनाना है, जिसके डांस स्टेप्स हर कोई कॉपी करना चाहे और जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए।

सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म पर की बात

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चाओ में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। सोनाक्षी ने इससे पहले फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें रिवर्स नेपोटिज्म पर कमेंट भी है।

संघर्ष कर रही महिलाओं से प्रेरित है किरदार

सोनाक्षी ने फिल्म को लेकर कहा कि फिल्म में कई ऐसे मुद्दों को उठाया गया है, जिनके बारे में हम शायद सोचते भी नहीं। ये वास्तविक लोगों, वास्तविक घटनाओं और हमारे आसपास घटने वाली चीजों से प्रेरित है। कई जगहों पर फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देती है। कोई भी फिल्म जो आपको सोचने पर मजबूर कर दे, वह अच्छी फिल्म होती है। अपने किरदार नेहा राजवंश को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने पेशे की वजह से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व की वजह से लोगों से जुड़ाव महसूस कराता है। वह कई खामियों से भरी, बहुआयामी और अपनी गलतियों से जूझने वाली महिला है, जिसके अपने अंदरूनी संघर्ष हैं। ये सभी बातें मुझसे और निश्चित रूप से उन कई और महिलाओं से भी जुड़ी हुई हैं, जो खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जिन्हें आसानी से सफलता नहीं मिलती।

फिल्म में सोनाक्षी का किरदार नेहा वकीलों के परिवार से आता है। उसके पिता देश के बड़े डिफेंस लॉयर में से एक हैं। लेकिन वो चाहते हैं कि उनकी बेटी फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले एक वीकल के रूप में काम करके खुद को साबित करे। इस बात पर नेहा अपने पिता से पूछती है, 'यह किस तरह का रिवर्स नेपोटिज्म है?' फिल्म की इस लाइन और कहानी को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि यह कहानी कुछ हद तक मेरी अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते रहे हैं, 'तुम्हें खुद को साबित करना होगा।' क्योंकि वो खुद भी ऐसे ही थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम कौन हो; जीवन में आगे बढ़ने के लिए तुम्हें खुद को साबित करना होगा। इसी तरह तुम्हें वह मिलता है, जिसके तुम हकदार हो। इसलिए यह बात भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

पैन-इंडिया की पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'अस्तित्व' (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में 'खुशी चौटाला' की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें 'सती' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है।

...क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते तुषार कपूर

दिग्गज सितारों के बेटे जब अभिनय जगत में आते तो दर्शकों के मन में दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने की ख्वाहिश भी आ जाती है। इंडस्ट्री में पिता-पुत्र की जोड़ी के कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जब दोनों ने फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, इसे लेकर अभिनेता तुषार कपूर थोड़ा अलग विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। तुषार कपूर का मानना है कि बेहतर होगा कि वे और उनके पिता अपना रिश्ता ऑफ कैमरा ही बनाए रखें। बातचीत के दौरान तुषार कपूर ने इस बारे में बात की। इस दौरान अभिनेता ने अपने पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'अगर मुझे अपने पिता के साथ काम करना पड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा सचेत रहूंगा। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि हम अपने रिश्ते को कैमरे से दूर ही रखें'। तुषार कपूर ने और किरदार एक्सप्लोर करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, 'मेरे आक्रामक, रफ एंड टफ साइड को और ज्यादा एक्सप्लोर किए जाने की जरूरत है। लोगों ने ज्यादातर मेरा फनी और सॉफ्ट साइड ही देखा है'।

क्या वेदांग की जिंदगी में प्यार की हुई दस्तक?

वेदांग रैना काफी समय से सिंगल हैं। खुशी कपूर से उनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों ने कभी ना अपने रिश्ते को स्वीकार किया था, ना ही कभी ब्रेक की घोषणा की। लेकिन उनके करीबी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि दोनों का ब्रेक हो चुका है। अब वेदांग रैना को न्योमिका सरन के साथ देखा गया है। वायरल वीडियो में दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही थी। न्योमिका की बात करें तो वह अक्षय कुमार की रिश्तेदार हैं। न्योमिका अक्षय कुमार की साली रिंकी खन्ना की बेटी हैं। पिछले दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहीं, उनके लुक और स्टाइल को काफी पसंद किया गया।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग आएंगे नजर

इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है, गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म के हालिया रिलीज ट्रेलर की भी खूब चर्चा है, इसमें वेदांग की एक्टिंग को पसंद किया जा रहा है।

सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है।

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से।

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, 'मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।'

वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, 'ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फ्रीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइटंस हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी।

कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैं इंडस्ट्री में कैट फाइट्स जैसा टर्म बहुत मशहूर रहा है। इस पर उस वक्त और ज्यादा चर्चा होती है, जब एक फिल्म में कई एक्ट्रेसेस हों। वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान के साथ -साथ रकुल प्रीत भी हैं। मगर वामिका कैट फाइट्स टर्म का बचाव करते हुए कहते हैं, 'कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। हमारी फिल्म की शूटिंग के दौरान हम सभी ने बहुत ही मजेदार वक्त बिताया। क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान तो पूरी कास्ट साथ थी और शूटिंग की लोकेशन होटल से एक घंटे की दूरी पर थी, तो हम सभी एक साथ शूट पर जाया करते थे। पंजाबी म्यूजिक के साथ - साथ हम लोग खाना भी साथ खाते। हमने तो एक साथ जिमिंग और स्विमिंग भी की।'

मैं कॉमिडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं

अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, 'कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अजीज़) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।